जाए, सड़क भी निकल जाए और रेल भी बन जाए?

श्री राज बहादुर : इरिगेशन का तो मैं समझता हूं इस सम्बन्ध नहीं। लेकिन इंलैंड वाटर ट्रान्सपोर्ट में रेल और रोड है, इन तीनों का विकास एक संतुलित ढंग से हो, इनमें सामंजस्य हो, इस बात की चेष्टा की जा रही है। इस सम्बन्ध में एक कमेटी का निर्माण भी किया गया है जिसे कि नियोगी कमेटी कहते हैं जो कि राष्ट्रीय यातायात या परिवहन नीति के बारे में आवश्यक सुझाव देगी।

Sugar Factory in Kolhapur

*1084. **Shri Pangarkar:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to set up a Sugar Factory in Kolhapur district of Bombay State during the current financial year;

(b) if so, when the proposal would materialise; and

(c) the amount to be spent on the factory?

The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) and (b). The Hon'ble Member has probably in mind the factory at Kodoli. This went into production on 1st November, 1959.

(c). About Rs. 1:36 crores.

Shri Pangarkar: May I know whether the factory to be set up will be on a co-operative basis or individual basis.

Shri A. M. Thomas: For this factory the licence has been applied for by Shree Warana Sahakari Sakhar Karkhana Limited. So, it is a co-operative business.

Shri Shivananjappa: May I know whether any restriction is put on the licensing of co-operative sugar factories?

Shri A. M. Thomas: If my friend is referring to the general question, our present and future development would be mainly on the co-operative front.

Shri Mahagaonkar: Since two more co-operative concerns have been formed in Kolhapur district may I know whether there is any possibility of their getting licences?

Shri A M. Thomas: There are as many as four factories in Kolhapur, besides the one that is already referred to. Out of the four, three are on co-operative basis and one is a joint stock company. Licences for two more have been applied for, and they have to be considered by the Commerce and Industry Ministry, in consultation with our Ministry.

Water-Logging in Delhi

*1085. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) how many villages in the Union Territory of Delhi have suffered on account of water-logging of their cultivable land during the current year upto 30th November, 1959;

(b) whether such sufferers have been given any relief; and

(c) if so, the amount given as relief till November, 1959?

The Deputy Minister of Irrigation and Power (Shri Hathi): (a) The Delhi Administration have reported that no village has suffered on account of water-logging in Delhi territory during 1959.

(b) and (c). Do not arise.

कैराना के पास यमुना नदी पर पुल

*१०८६. श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पानीपत की ओर कैराना के निकट यमुना नदी पर एक पुल बनाने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो इस पुल पर कितना व्यय होगा और उसमें केन्द्रीय सरकार, पंजाब सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार कितना कितना अंशदान करेंगी;

(ग) यह पुल कब तक तैयार हो जायगा; और

(घ) क्या बुलन्दशहर और पलवल (गुड़गांव) को मिलाने के लिए यमुना नदी पर नया ही पुल बनाने की कोई योजना विचाराधीन है ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) जी हां ।

(ख) इस पुल के बनाने में अनुमानतः लगभग ५५ लाख रुपये खर्च होंगे, यह खर्च केन्द्र और पंजाब व उत्तर देश की सरकारें मिलकर बराबर बराबर अदा करेंगी।

(ग) उत्तर देश सरकार से पुल के खाके व इस पर होने वाले खर्च के ब्यौरेवार तख्मीने का इन्तजार किया जा रहा है। इस पुल के बनाने में लगभग तीन साल लगेंगे।

(घ) जी नहीं।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि इस पुल के बन जाने से उत्तर प्रदेश और पंजाब की किन-किन मंडियों को लाभ पहुंचेगा?

श्री राज बहादुर : यह पानीपत और खेकड़ी के बीच में बनेगा और मैं समझता हूं कि जो मंडियां आसपास की हैं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, उनको लाभ होगा और इधर पंजाब की पूर्वी मंडियों को और पंजाब को भी लाभ होगा ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : श्रीमन् अब तक सरकार की नीति कुछ इस प्रकार की रही है कि जो पिछड़े हुए क्षेत्र हैं, उनको थोड़ा आगे बढ़ाया जाए । पंजाब में गुड़गांव जिला भी इसी प्रकार का जिला है । ऐसी सूरत में बुलन्दशहर और गुड़गांवां के बीच में पुल बनाया जाए, क्या इस प्रकार की कोई योजना सरकार के पास आई है, यदि आई है, तो क्या उस पर विचार कर लिया गया है और कर लिया गया है तो उसका क्या परिणाम निकला है ?

श्री राज बहादुर : अभी ऐसी कोई योजना जिसके द्वारा कि गुड़गांवां के नजदीक उत्तर प्रदेश और पंजाब को मिलाने के लिये यमुना पर पुल बनाया जाए, विचाराधीन नहीं है । लेकिन यह सच है कि जितने पुल होंगे उतना ही अधिक मातायात बढ़ेगा लेकिन जितना खर्चा हमको मिलेगा उतना ही हम कर सकेंगे ।

श्री वाजपेयी : इस पुल के निर्माण के लिए जो भूमि हस्तगत की जाएगी उसमें कृषि योग्य भूमि भी होगी और यदि होगी तो उसका क्षेत्रफल कितना होगा?

श्री राज बहादुर : जो फल तो मैं नहीं बता सकता हूं, इसका तो तख्मीना लग जाने के बाद ही पता चलेगा । लेकिन जो भूमि हस्तगत की जाएगी, उसका मुआवजा दिया जाएगा।

Mr. Deputy-Speaker: Next question.

Shri S. M. Banerjee: I suggest that Q. No. 1120-A may also be taken up, as it also relates to the same subject.

Mr. Deputy-Speaker: If the hon. Minister agrees, I have no objection.

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): I am agreeable.

Mr. Deputy-Speaker: All right.